यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना **जय महावीर** **जय गुरु राम**

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा–2024

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न–उत्तर पत्र भाग – 7

अंक 97+3–100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 15.09.2024)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न– 1. रिक्त स्थान की पूर्ति करो– **10**

1. नमिराज ..... की आवाज सह नहीं सके।
2. नमिराज को गाढ़ निद्रा में ..... ज्ञान उत्पन्न हुआ।
3. नमिपव्वजा ..... सूत्र का नवम् अध्ययन है।
4. ..... शक्र ब्राह्मण का पेश बना कर नमिराजर्षि के पास आए।
5. मदनरेखा के पुत्र को ..... मिथिला ले आया।
6. गुरु की आज्ञा को ..... करे।
7. विनय समाधि का वर्णन ..... सूत्र में चलता है।
8. क्षमा तो हृदय की ..... ही है।
9. क्रोध शमन का एक मात्र उपाय ..... भाव है।
10. ..... भाव से वैयावृत्य करे तो परम कल्याण होता है।

प्रश्न– 2. शब्द पहचान कर गाथा पूर्ण करे– **20**

1. बलमोरोहं चिच्चा मिहिलं

.....

.....

2. साली हिरण्णं तवं

.....

.....

3. णमी सक्खं वइदेही

.....

.....

4. मणोरमे वाएण कंदंति

.....

.....

5. कोहं अप्पाण जियं

.....

.....

6. इहंसि पेच्चा सिद्धि

.....

.....

7. कोलाहलग किण्णु गिहेसु

.....

.....

8. पत्थिवा वसे खत्तिया

.....

.....

9. हेउकारण रायरिसी इणमब्बवी

.....

.....

10. मासे भुंजए कलं

.....

.....

प्रश्न– 3. शब्दार्थ लिखे **10**

1. परियण ..... 2. अब्बवी .....
3. ईरियं ..... 4. मग्गे .....
5. लोहो ..... 6. वंदिऊण .....
7. अज्जवं ..... 8. सक्खं .....
9. विसं ..... 10. अहमा .....

प्रश्न– 4. किसने किससे कहा– **10**

1. दु:संभव को संभव बनाना– इसी में तो मनुष्य की महिमा है।

.....

.....

2. रूई के पाँवों से अंगारो पर कैसे चला जायेगा।

.....

.....

3. अब देखना सेठ सुदर्शन को मैं अपने जाल में कैसे फँसाती हूँ।

.....

.....

4. मुझे विश्वास है कि आचार्य तुझें पुत्रवत समझकर पढाएगे।

.....

.....

5. लोभ लोभ से नहीं, अपितु अलोम से शांत होता है।

.....

.....

प्रश्न– 5. काव्यांशा पूर्ण करे– **20**

1. सिद्ध प्रभुवर .....
..... सिद्ध ही प्राण।
2. संवर कर ले .....
..... दिन चार।
3. व्यक्ति अकेला .....
..... भावना पहचाने
4. जो मोक्ष .....

..... बाहर खड़ा।

5. स्वार्थमान .....

..... वरता है।

6. इस देह .....

.....सदुपाय से।

7. इनकी भक्ति .....

..... प्याला।

8. अज्ञान तम .....

..... वही शरण।

9. डाभ अणी .....

..... संसार स्वभाव।

10. पुण्य क्षीण .....

..... आपो आप।

प्रश्न– 6. सही या गलत– **10**

1. मनुष्यों में सबसे थोड़े भय संज्ञा वाले होते है। ( )
2. ओघ संज्ञा ज्ञानावरण के क्षयोपशम भाव से होती है। ( )
3. आत्मारम्भी परारम्भी का थोकड़ा भगवती जी सूत्र के आधार पर चलता है। ( )
4. निरंतर चलते रहने से रोग उत्पन्न होता है। ( )
5. आस्त्रवद्वार में प्रवृत्ति करना आरम्भ कहलाता है। ( )
6. उपयोग रहित व राग द्वेष सहित भाषा बोले। ( )
7. मुनि दो कोस उपरान्त ले जाकर अशनादि भोगे। ( )
8. आहारादि भोगते समय शुद्धि–अशुद्धि की खोज करना गवेषणा है। ( )
9. स्थान देने वाले के यहाँ से आहारादि ले सकते है। ( )
10. भण्डोपकरण का कालोकाल उपयोग पूर्वक प्रतिलेखन करें। ( )

प्रश्न– 7. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दे–

1. तामली तापस, मेघकुमार, प्रदेशी राजा, जिनपाल के परम कल्याण के बोल लिखे 4

.....

.....

.....

.....

2. श्रुत समाधि के चार भेद लिखे 2

.....

.....

3. एषणा समिति के प्रकार व परिभाषा लिखे। 3

.....

.....

.....

प्रश्न– 8. निम्नलिखित की परिभाषा लिखे– 8

1. प्रादुष्करण

.....

.....

2. मूल कर्म

.....

.....

3. अपरिणत

.....

.....

4. धूम दोष

.....

.....